हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 37 .5 डिग्री
न्यूनतम 15 .0 डिग्री

टी-20 वर्ल्ड कप जीतते ही आतिशबाजी, युवाओं ने मनाया जश्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत की शानदार जीत के साथ ही रोहतक शहर जश्न में डूब गया। जैसे ही टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की, वैसे ही शहर के विभिन्न इलाकों में खुशी की लहर दौड़ गई। देर रात तक युवा, क्रिकेट प्रेमी और आम लोग सड़कों पर उतर आए और जोरदार आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। कई जगह लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम' के नारों से माहौल गूंज उठा। फाइनल मुकाबला शुरू होते ही रोहतक के घरों, दुकानों, ढाबों और कैफे में लोग टीवी स्क्रीन के सामने बैठकर मैच का आनंद ले रहे थे। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, लोगों की धड़कनें भी तेज होती गईं। मैच के दौरान आए उतार-चढ़ाव ने क्रिकेट प्रेमियों को काफी रोमांचित किया। कई स्थानों पर लोग समूह बनाकर बड़े स्क्रीन पर मैच देख रहे थे और हर गेंद पर टीम इंडिया के लिए तालियां बजाते नजर आए।

सड़कों पर उमड़ा हुजूम...

जमकर फोड़े पटाखे

जब मैच अपने अंतिम चरण में पहुंचा और भारत की जीत लगभग तय हो गई, तब लोगों का उत्साह और बढ़ गया। जैसे ही' की, वैसे ही पूरे शहर में पटाखों की आवाज गूंज उठी। युवा सड़कों पर उतर आए व जमकर आतिशबाजी करने लगे।

न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया

टी-20 वर्ल्ड कप के इस फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर सिमट गई।

बांटी मिठाई

- युवाओं ने आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की
- ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोगों ने किया नृत्य
- एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दी बधाई
- भारत माता की जय' के नारों से गूंजा शहर

तिरंगा लेकर सड़कों पर घूमे

रोहतक के मुख्य बाजारों, कॉलोनियों और चौक-चौराहों पर देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा। युवा हाथों में तिरंगा लेकर नारे लगाते हुए सड़कों पर घूमते रहे। कई स्थानों पर लोगों ने मिठाई बांटकर एक-दूसरे को जीत की बधाई दी।

शहर में आज

- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।

खबर संक्षेप

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है। जिसे अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर हासिल किया गया। पुलिस टीम खेडी साध से कारोर रोड नजदीक हिसार दिल्ली रोड फ्लाईओवर के पास गश्त में मौजूद थी। इस दौरान एक युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान संदीप उर्फ सैंडी निवासी गांव चुलियाना के रुप में हुई। तलाशी लेने पर युवक के पास से देसी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुआ है।

हार्डवेयर दुकान से लाखों का सामान चोरी

कलानौर। कलानौर-गुढान रोड पर स्थित श्री गणेश हार्डवेयर एवं सेनेटरी स्टोर से अज्ञात चोर लाखों रुपये का सामान और नकदी चुरा ले गए। यह घटना देर रात हुई और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव गुढान के अश्वनी कुमार ने बताया कि उनकी कलानौर-गुढान रोड पर 'श्री गणेश हार्डवेयर एवं सेनेटरी स्टोर' नाम से दुकान है। चोरों ने देर रात लगभग 1 बजे दुकान का शटर तोड़कर प्रवेश किया। चोरों ने दुकान से पीतल और प्लास्टिक की टोंटियां, एक कैमरा, इंटरनेट राउटर सहित लगभग 4.5 लाख रुपये का सामान चुराया।

काम की दो खबरें : लोगों का स्वास्थ्य और सड़कों की सेहत सुधरेगी, अब नहीं पड़ेगा भटकना

वार्ड-10 में बनेंगे तीन नए हेल्थ सेंटर, हजारों लोगों को होगा लाभ

1. गढ़ी बोहर व बोहर के मेलवान, भोपान पाने में खुलेंगे स्वास्थ्य केंद्र, महिलाओं और नवजात शिशुओं को मिलेगी राहत
2. स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए निगम और पार्षद उपयुक्त स्थान की कर रहे है तलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वार्ड-10 के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर निगम से वार्ड-10 में तीन नए हेल्थ सेंटर खोलने की मंजूरी मिल गई है। इनमें से एक हेल्थ सेंटर गढ़ी बोहर में बनाया जाएगा, जबकि दो हेल्थ सेंटर बोहर गांव के अलग-अलग पाने मेलवान और भोपान में स्थापित किए जाएंगे। इन तीनों हेल्थ सेंटर के बनने से क्षेत्र की करीब 10 हजार से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण के लिए नगर निगम और संबंधित पार्षद द्वारा उपयुक्त स्थान की तलाश की जा रही है। जैसे ही जगह का चयन हो जाएगा, उसके बाद निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन हेल्थ सेंटरों के बनने से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पहले से कहीं अधिक बेहतर हो जाएगी। वर्तमान में बोहर गांव में केवल एक ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) संचालित हो रहा है। लेकिन गांव का क्षेत्रफल काफी बड़ा होने के कारण लोगों, विशेषकर महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती है। कई बार महिलाओं को छोटे बच्चों और नवजात शिशुओं को लेकर पैदल ही पीएचसी तक आना-जाना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इलाज के भटकना नहीं पड़ेगा

ग्रामीणों का कहना है कि नवजात शिशुओं को समय-समय पर लगने वाले टीके और अन्य स्वास्थ्य जांच के लिए भी महिलाओं को पैदल ही स्वास्थ्य केंद्र तक जाना पड़ता है। गर्मी और सर्दी के मौसम में यह परेशानी और भी बढ़ जाती है। ऐसे में गांव के अलग-अलग हिस्सों में नए हेल्थ सेंटर बनने से यह समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। दो नए स्वास्थ्य केंद्र बोहर गांव के मेलवान और भोपान पाने में बनाए जाने की योजना है, जिससे गांव के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों को नजदीक ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं गढ़ी बोहर में बनने वाला हेल्थ सेंटर भी आसपास के लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा।

जगह के चयन होने पर होगा निर्माण

एक हेल्थ सेंटर गढ़ी बोहर में बनाया जाएगा, जबकि दो हेल्थ सेंटर बोहर गांव के अलग-अलग पाने मेलवान और भोपान में स्थापित किए जाएंगे। इन तीनों हेल्थ सेंटर के बनने से क्षेत्र की करीब 10 हजार से अधिक आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। जैसे ही जगह का चयन हो जाएगा, उसके बाद निर्माण प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

-मनीषा नांदल, पार्षद, वार्ड-10

जल्द ही जगह का होगा चयन

नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इन हेल्थ सेंटरों के लिए उपयुक्त स्थान तय कर लिया जाएगा, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इन स्वास्थ्य केंद्रों के शुरू होने के बाद क्षेत्र के लोगों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में काफी मदद मिलेगी। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के इस फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग की जा रही थी। अब नए हेल्थ सेंटर बनने से विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी।

छह करोड़ से सड़कों का होगा कायाकल्प

1. सेक्टर-1, 3 और 14 सहित कई इलाकों में विकास कार्यों का शुभारंभ
2. ओमेक्स सिटी से मस्तनाथ रोड तक बनेगी नई सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध करवाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर निगम रोहतक द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों की रिकॉर्पेटिंग और निर्माण कार्यों का शुभारंभ कर दिया गया है। इन विकास कार्यों की शुरुआत नगर निगम के महापौर रामअवतार वाल्मीकि ने संबंधित वार्ड सदस्यों की उपस्थिति में नारियल तोड़कर की। इन परियोजनाओं पर लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत खर्च की जाएगी। महापौर ने बताया कि शहर में लंबे समय से कई क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत और सुधार की मांग की जा रही थी। नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू किया है। जिन विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया है, उनमें सेक्टर-1 और सेक्टर-14 की सड़कों की रिकॉर्पेटिंग पर लगभग 1.70 करोड़ रुपये की लागत व्यय की जाएगी।

रोहतक। नारियल तोड़कर विकास कार्यों का शुभारंभ करते नगर निगम के महापौर राम अवतार वाल्मीकि। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-3 की सड़कों पर 2.25 करोड़ होंगे खर्च

इसी प्रकार सेक्टर-3 की सड़कों की रिकॉर्पेटिंग के लिए लगभग 2.25 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। इसके साथ ही सेक्टर-3 पॉली क्लीनिक रोड के निर्माण कार्य पर करीब 44 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था पहले से अधिक व्यवस्थित हो सकेगी।

ओमेक्स सिटी से मस्तनाथ रोड तक नई सड़क के निर्माण पर लगभग 1.85 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, ऐसे में सड़क निर्माण से यहां के लोगों को काफी राहत मिलेगी और यातायात भी सुगम होगा।

समय सीमा में हो कार्य पूरा

बताया कि निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं और निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। -डॉ. आनंद कुमार शर्मा नगर निगम आयुक्त

पहली से आठवीं कक्षा की डेटशीट में बदलाव, 14 की परीक्षा अब 19 मार्च को

रोहतक। प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में मार्च माह में बालवाटिका से लेकर कक्षा 8वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी, लेकिन शिक्षा विभाग की ओर से डेटशीट में बदलाव किया गया है। कक्षा पहली से आठवीं के लिए सत्र 2025-26 में होने वाली वार्षिक परीक्षा की डेटशीट में बदलाव किया गया है। जिसके अनुसार अब 14 मार्च को होने वाली परीक्षा में बदलाव किया गया है। अब कक्षा 1 से 8 की वार्षिक परीक्षा का आयोजन 19 मार्च को किया जाएगा। इससे पहले शिक्षा विभाग की ओर से बालवाटिका- III से लेकर कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली वार्षिक परीक्षाओं की डेटशीट में बदलाव किया जा चुका है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी डेटशीट के अनुसार पहले 11 मार्च से परीक्षाएं शुरू की जानी थी, लेकिन उसमें बदलाव कर दिया गया है। अब बालवाटिका से लेकर कक्षा 5वीं की परीक्षाएं 16 मार्च से शुरू की जाएगी। छठी से आठवीं तक की परीक्षा 11 मार्च से ही शुरू होगी। बालवाटिका-III से कक्षा तीसरी तक की परीक्षा निपुण दक्षताओं पर आधारित होगी।

प्रदेश में पहली कक्षा में दाखिले के लिए उम्र सीमा तय, छह वर्ष होना जरूरी

रोहतक। हरियाणा सरकार के विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पहली कक्षा में दाखिले के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब पहली कक्षा में नामांकन के लिए बच्चे की न्यूनतम आयु 6 वर्ष होना अनिवार्य कर दिया गया है। निदेशालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुपालन में लिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले नए सत्र में केवल वही बच्चे पहली कक्षा में प्रवेश पा सकेंगे जिन्होंने 6 वर्ष की आयु पूरी कर ली है। पत्र में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के स्कूलों में इन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की अनुपालना में बनाए गए हरियाणा निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार नियम 2011 का नियम 10 जो प्रवेश की विस्तारित अवधि (जो कि छह मास है) की व्याख्या करता है।

बनियानी में विक्रम की हत्या के मामले में छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

रोहतक। गांव बनियानी में युवक विक्रम की हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। थाना कलानौर के प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह ने बताया कि 5 मार्च 2026 को साहिल निवासी बनियानी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़ दी। 7 मार्च को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी ओमप्रकाश पुत्र होशियार, वंश पुत्र ओमप्रकाश, सागर पुत्र सुनील, साहिल पुत्र सुनील, रितिक पुत्र मेनपाल और निशांत पुत्र सुनील, सभी निवासी गांव बनियानी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

अस्पताल से छुट्टी मिलते ही सांपला में पुलिस मुठभेड़ का आरोपी दीपक गिरफ्तार

रोहतक। सांपला क्षेत्र में गत दिनों पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ के मामले में घायल हुए आरोपी दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को उपचार के बाद पीजीआईएमएस रोहतक से छुट्टी मिलते ही हिरासत में लिया गया। पुलिस उसे सोमवार को अदालत में पेश करेगी। थाना सांपला के प्रभारी उप निरीक्षक पंकज ने बताया कि 5 मार्च 2026 की शाम को सीआईए-2 स्टाफ की टीम को सूचना मिली थी कि सत्यवान हत्याकांड में शामिल आरोपी गांधरा से अटायल रोड पर घूम रहा है। पुलिस टीम ने गांधरा से अटायल रोड पर बाइक सवार एक संदिग्ध युवक को रोकने की कोशिश की, लेकिन युवक ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया था।

मदवि के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत के शोध में दावा, घर में मौजूद रेडॉन-थोरॉन गैसें बन सकती हैं खतरा

धूम्रपान के बाद 'बंद घर' फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अब तक आमतौर पर यह माना जाता था कि फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है, लेकिन एक नए वैज्ञानिक शोध ने इस धारणा में एक अहम पहलू और जोड़ दिया है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत के नेतृत्व में किए गए शोध में सामने आया है कि धूम्रपान के बाद घरों के अंदर मौजूद रेडॉन और थोरॉन जैसी रेडियोधर्मी गैसें फेफड़ों के कैंसर का एक बड़ा कारण बन सकती हैं। यह शोध हरियाणा के दक्षिणी जिलों पलवल और गुरुग्राम में किया गया, जिसमें घरों के अंदर की हवा की गुणवत्ता और रेडियोधर्मी गैसों की मौजूदगी का अध्ययन किया गया। शोध के दौरान यह पाया गया कि कई घरों के अंदर इन गैसों का स्तर अपेक्षा से अधिक है। ये गैसें रंगहीन और गंधहीन होती हैं, इसलिए आमतौर पर लोगों को इनके बारे में पता नहीं चलता। सांस के जरिए शरीर में जाने पर ये धीरे-धीरे फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं और लंबे समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। डॉ. कृष्णकांत के अनुसार, इस शोध में विशेष रूप से घरों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जैसे मिट्टी, ईंट, पत्थर और कंक्रीट के प्रभाव का भी अध्ययन किया गया। इन सामग्रियों के साथ-साथ जमीन से निकलने वाली प्राकृतिक रेडियोधर्मी गैसें घरों के अंदर जमा हो सकती हैं। यदि घरों में पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होता तो इन गैसों का स्तर और अधिक बढ़ सकता है।

औसत स्तर 3.5 गुना अधिक

कुलसचिव डॉ कृष्णकांत

- शोध में यह भी सामने आया कि पलवल के कई घरों में थोरॉन गैस का औसत स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन और वैश्विक औसत से लगभग साढ़े तीन गुना अधिक पाया गया।
- गुरुग्राम में किए गए अध्ययन में पाया गया कि आधुनिक घरों में, जहां मार्बल की फ्लोरिंग और दीवारों पर टाइल्स का अधिक उपयोग होता है, वहां रेडॉन गैस का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।
- जिन घरों में मिट्टी की दीवारें या कच्चा फर्श था, वहां थोरॉन गैस का उत्सर्जन ज्यादा देखा गया। कारण यह है कि ये गैसें सीधे जमीन से निकलती हैं और बंद वातावरण में जमा हो जाती हैं।
- शोधकर्ताओं के अनुसार, सर्दियों के मौसम में इन गैसों का स्तर सबसे ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि ठंड के दौरान लोग घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखते हैं, जिससे घर के अंदर हवा का प्रवाह कम हो जाता है और गैसें बाहर नहीं निकल पातीं।

क्या है रेडॉन और थोरॉन गैस

- प्राकृतिक रूप से जमीन से निकलने वाली रेडियोधर्मी गैसें।
- रंगहीन व गंधहीन होने के कारण पहचान में नहीं आतीं।
- सांस से शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार धूम्रपान के बाद फेफड़ों के कैंसर का दूसरा बड़ा कारण है।

बचाव के आसान उपाय

- घरों में पर्याप्त वेंटिलेशन सुनिश्चित करें
- समय-समय पर खिड़कियां और दरवाजे खोलें
- फर्श और दीवारों में दरारों की मरम्मत कराएं
- घर निर्माण में सुरक्षित सामग्री का उपयोग करें।

यूएन की रिपोर्ट में शोध को मिला स्थान

कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत के शोध कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। संयुक्त राष्ट्र की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्था यूनाइटेड नेशंस साइंटिफिक कमेटी ऑन द इफेक्ट्स ऑफ एटॉमिक रेडिएशन (यूएनएससीईएआर) द्वारा जारी यूएनएससीईएआर-2024 रिपोर्ट में उनके शोध को संदर्भ के रूप में शामिल किया गया है। रिपोर्ट के वैज्ञानिक परिशिष्ट में डॉ. कृष्णकांत, भूपेंद्र सिंह और डॉ. मनीषा गर्ग द्वारा किए गए अध्ययन- रेडियोलॉजिकल असेसमेंट ऑफ 222आरएन, 220आरएन, इक्विलिबरियम इक्विवलेंट रेडॉन कॉन्सन्ट्रेशन (ईईआरसी) एंड इक्विलिबरियम इक्विवलेंट थोरोन कॉन्सन्ट्रेशन (ईईटीसी) इन रेजिडेंशियल ड्विलिंग्स ऑफ डिस्ट्रिक्ट पलवल, साउथर्न हरियाणा, इंडिया (2022) को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. कृष्णकांत और भूपेंद्र सिंह का एक अन्य शोध- एनुअल इफेक्टिव डोज इयू टू इनहेलेशन ऑफ इंडोर रेडियोन्यूक्लिड्स एंड देयर प्रोजेनी मेजर्ड बाय ट्रैक एट्चेड टेक्नीक्स यूजिंग पिन्होल डोसीमीटर एंड डिपोजिशन- बेस्ड प्रोजेनी सेंसर्स (2023) भी रिपोर्ट में संदर्भित किया गया है।

नाले से मिला व्यक्ति का शव, हत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

कस्बे के दहकोरा रोड पर स्थित नाले में रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेज दिया। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने दहकोरा मार्ग पर नाले में एक व्यक्ति का नग्न शव पड़ा देखा। यह सूचना तुरंत सांपला थाना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाया। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने भी मृतक को पहचानने से इनकार कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र से जरूरी साक्ष्य एकत्रित किए। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, जिससे मौत के कारणों को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है।

मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी व एफएसएल टीम डॉ. सरोज दहिया।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

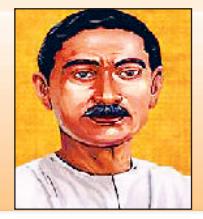

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

कहानी

वंदना यादव

मीडिल मैन

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला में हुआ 5वां इंडियन ओपन थ्रो कम्पटीशन

म्हारे खिलाड़ियों ने 5 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य पदक जीते

प्रदेश से 13 महिला और 33 पुरुष खिलाड़ियों ने लिया था स्पर्धा में भाग

■ लड़कियों के शॉट पुट इवेंट में आरती ने व लड़कों में हर्षित ने रजत पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (ए एफ आई) के द्वारा 5वीं इंडियन ओपन थ्रो कम्पटीशन का दो दिवसीय आयोजन नेता जी सुभाष चन्द्र बोस राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला पंजाब में 7 से 8 मार्च तक किया गया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य से 13 महिला और 33 पुरुष सहित कुल 46 एथलीट खिलाड़ियों ने भाग लिया। हरियाणा के एथलीटों ने 5 स्वर्ण पदक और 4 रजत एवं 4 कांस्य पदक सहित कुल 13 पदकों पर कब्जा किया।

अंडर-18 आयु वर्ग लड़कियों के शॉट पुट इवेंट में आरती ने रजत पदक, अंडर-20 आयु वर्ग लड़कों के शॉट पुट इवेंट में हर्षित गहलोत ने रजत पदक और महिला वर्ग डिस्कस थ्रो इवेंट में प्रिया ने रजत पदक जीता एवं अंडर-18 आयु वर्ग लड़कों के डिस्कस थ्रो इवेंट में यश जागलान पानीपत ने रजत पदक जीता। अंडर-20 आयु वर्ग लड़कों के हैमर थ्रो इवेंट में शुभम ने कांस्य पदक, अंडर-18 आयु वर्ग लड़कों के शॉट पुट इवेंट में नितेश कुमार कांस्य पदक और महिला वर्ग के डिस्कस थ्रो इवेंट में सान्या यादव महेंद्रगढ़ ने कांस्य पदक जीता एवं अंडर-20 लडका वर्ग डिस्कस थ्रो इवेंट में साहिल कादियान ने कांस्य पदक जीतकर हरियाणा राज्य का गौरव बढ़ाया। सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद मीडिया प्रभारी खेल व प्रदीप मलिक महासचिव एथलेटिक्स हरियाणा ने बताया कि अंडर-20आयु वर्ग लड़कियों के हैमर थ्रो इवेंट में खुशी ने 49 मीटर 45 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। पुरुष वर्ग शॉट पुट इवेंट में संयम ने 18 मीटर 28 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग डिस्कस थ्रो इवेंट में प्रिया ने 56 मीटर 16 सैंटीमीटर की डिस्कस थ्रो कर रजत पदक और सान्या यादव ने 52 मीटर 80 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक प्राप्त किया

अंडर-18 आयु वर्ग लड़कों के डिस्कस थ्रो इवेंट में निश्चय ने 63 मीटर 90 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता और यश जागलान ने 56 मीटर 50 सैंटीमीटर की थ्रो कर रजत पदक जीता । अंडर-20 आयु वर्ग लड़कों के डिस्कस थ्रो इवेंट में साहिल कादियान ने 54 मीटर 94 सैंटीमीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान सिंह भादू और निदेशक नरेंद्र मोर एवं राजकुमार मिटान सदस्य ग्रीवेंस कमेटी एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को पदक विजेता बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

जंप रोप ट्रेनिंग सेमिनार में 50 खिलाड़ियों ने लिया भाग

रोहतक। हरियाणा जंप रोप एसोसिएशन के तत्वाधान में जंप रोप ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में हरियाणा प्रदेश के लगभग 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया।सेमिनार के दौरान नेशनल टीम के लिए हरियाणा के खिलाड़ियों का चयन किया गया, जो 26 मार्च से 30 मार्च 2026 तक नासिक (महाराष्ट्र) में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जंप रोप प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। हरियाणा जंप रोप एसोसिएशन के संस्थापक वीर सिंह आर्य ने बताया कि चयनित खिलाड़ी नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। ट्रेनिंग सेमिनार के दौरान हरियाणा टीम के कोच नीरज व साक्षी रोहिल्ला ने खिलाड़ियों को जंप रोप की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान खिलाड़ियों को स्पीड 30 सेकंड, एंडोरेंस, डबल अंडर, डबल टच, एलआरएस, चाइनीज व्हील और फ्रीस्टाइल जैसे इवेंट्स की तकनीक सिखाई गई।

नेशनल स्पर्धा के लिए चयनित खिलाड़ी

बालिका वर्ग: पारिधि, लक्षिता, भारती सैनी, खुशी, ईशिता, खुशी, खुशबू, दिशा, सिया, डोरिस गुलिया, उर्जिता।

बालक वर्ग: दक्ष, गर्व, गौतम, निहान, हितेश किरार, ईशांत, गौरांश, राजन, अक्षित मलिक, दक्ष, लविश, यकीन, रोनक, अंश, हर्ष, शाश्वत, गौतम, लकी।

टीम के साथ रवाना होने वाले कोच वीर सिंह आर्य ,नीरज, निधि ,साक्षी रोहिल्ला ,कुसुम ,सुनील दुग्गल, किरण आदि टीम के साथ रवाना होंगे। सेमिनार के अंत में खिलाड़ियों को अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

गोयल क्रिकेट क्लब ने आठ विकेट से मैच जीता

रोहतक। रोहतक के वैश्य इंजीनियरिंग मैदान पर खेले गए मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एबीसी क्लब को 8 विकेट से हराकर बड़ी जीत दर्ज की। गितांशु मल्होत्रा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एबीसी की टीम 26.5 ओवरों में 246 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से भव्य शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों पर 65 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 4 छक्के शामिल थे। गोयल क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी में परीक्षित पूनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट झटके। 247 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोयल क्रिकेट क्लब की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 26.2 ओवरों में 3 विकेट खोकर 249 रन बनाकर मैच जीत लिया। गितांशु मल्होत्रा ने शानदार और मैच जिताऊ पारी खेलते हुए 75 गेंदों पर नाबाद 127 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 4 छक्के शामिल थे।

ट्रस्ट ने मेधावी बच्चों को बांटीं साइकिलें

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बाल संस्कार एवं साइकिल पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। सेठ बिमल प्रसाद जैन मेमोरियल हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज के सान्निध्य में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कलानौर के बीईओ संजय हुड्डा उपस्थित रहे। इस अवसर पर रोटरी क्लब और सहेली क्लब रोहतक के सहयोग से जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। ट्रस्ट के चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता ने बताया कि संस्थान के बच्चों ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

धाम डोभ पर भव्य संकीर्तन में बालाजी का गुणगान

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श बालाजी धाम गाँव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार बालाजी धाम डोभ पर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक संकीर्तन, भंडारा एवं निशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया जाता है। जिसमें आंख जाँच, दांत जाँच, फिजियोथेरेपिस्ट, मेडिसिन और देशी वैद्य द्वारा इलाज किया जाता है। सभी दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिये जाते हैं। धाम पर संकीर्तन में सरला बेरी, पिंकी वाडिया कलानौर और अमित कौशिक द्वारा बालाजी के सुन्दर सुन्दर भजनों का गुणगान किया गया। रिंकू महादेव द्वारा सुन्दर-सुन्दर झांकियों प्रस्तुत की गई।

धर्म के सिद्धांतों का उल्लंघन महापाप

रोहतक। विश्व हिंदू परिषद प्रखंड मकड़ौली द्वारा गांव मकड़ौली कलां में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और युवाओं ने भाग लिया। सम्मेलन में प्रखंड अध्यक्ष रूपेश कुमार श्यौराण मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। रूपेश श्यौराण ने कहा कि देशभर में इस प्रकार के हिंदू सम्मेलन लाखों की संख्या में आयोजित किए जा चुके हैं। इन सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को अपने राष्ट्र, संस्कृति और धर्म के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को भारतीय वैदिक सनातन संस्कृति और सभ्यता के बारे में गहन जानकारी होना आवश्यक है, ताकि वे अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें।

भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली पार्टी: ढुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दो दिवसीय प्रशिक्षण महा अभियान के समापन पर जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी नवीन ढुल ने प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर कहा कि भाजपा नेताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए देश भर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती, आगामी चुनाव की रणनीति, और बूथ स्तर तक केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है। नवीन ढुल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने सिद्धांत और नीति पर चलने वाली एकमात्र पार्टी है, जो सदैव राष्ट्र सेवा के पथ पर अग्रसर रहती है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के माध्यम से जनता का विश्वास और समर्थन प्राप्त करना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप आज से

रोहतक। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के खेल परिसर स्थित डॉ. मंगल सेन मल्टीपर्पज जिम्नेजियम हॉल में 9 से 13 मार्च तक ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पेंचक सिलाट (पुरुष) चैम्पियनशिप आयोजित की जाएगी। खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. सोम नाथ सचदेवा मुख्य अतिथि होंगे।

जाट कॉलेज में स्वास्थ्य, रोजगार और साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जाट कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन योग, मैडिटेशन, स्टार्ट-अप,मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सिक्योरिटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान, परिचर्चा और गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से जागरूक बनाना रहा।

प्रातःकालीन सत्र की शुरुआत योग एवं मेडिटेशन से हुई। योगाचार्या डॉ ममता ने सभी वॉलंटियर्स को योगाभ्यास और ध्यान करवाते हुए इसके शारीरिक व मानसिक लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सही श्वास प्रक्रिया के महत्व को समझाते हुए नियमित योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताया।

देश बौद्धिक दासता से पीड़ित : अग्निव्रत

रोहतक। आर्य समाज बोहर में "वैदिक सृष्टि कथा एवं वैदिक विज्ञान विचार गोष्ठी" नामक एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रदेशों से आए विद्वानों, युवाओं और चिंतकों ने भाग लेकर वैदिक ज्ञान, सृष्टि विज्ञान और आधुनिक भौतिक विज्ञान के संबंधों पर गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान से आए आचार्य अग्निव्रत ने अपने संबोधन में कहा कि वेद, ब्राह्मण ग्रंथ और अन्य आर्ष ग्रंथ ज्ञान के ऐसे भंडार हैं, जिन पर पूरी मानव सभ्यता का समान अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संपूर्ण मानवता और प्राणी जगत के कल्याण के लिए हैं।

जूट बैग बांटकर दिया स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिवाजी कॉलोनी पार्क में गो ग्रीन गिफ्ट स्माइल क्लब, रोहतक द्वारा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें दैनिक जीवन में प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर जूट बैग जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम रोहतक के सहयोग से लोगों को निशुल्क जूट बैग भी वितरित किए गए, ताकि वे प्लास्टिक के उपयोग को कम कर सकें।

खबर संक्षेप

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत पक्की: हुड्डा

रोहतक। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि आगामी राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत पक्की है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक जमीनी कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाया है और इस फैसले की चारों ओर सराहना हो रही है। हुड्डा रविवार को रोहतक में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने असम में सुखोई फाइटर प्लेन क्रैश में शहीद हुए भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर अनुज शर्मा के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महंगाई के मुद्दे पर बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी का जीवन कठिन हो गया है। उनके साथ प्रेसवार्ता में पूर्व गृह मंत्री सुभाष बतरा सहित विधायक रोहतक बीबी बतरा मौजूद रहे।

ड्राइंग, कलरिंग व कैलिग्राफी का किया प्रदर्शन

रोहतक। आईबी स्मार्ट स्टार्ट स्कूल (आई बी जूनियर ब्रांच) में बच्चों के लिए ड्राइंग, कलरिंग एवं कैलिग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने बहुत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। ड्राइंग प्रतियोगिता में अमायरा ने प्रथम स्थान, पूर्वी ने द्वितीय स्थान तथा हरिगुण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कलरिंग प्रतियोगिता में हारिका ने प्रथम स्थान, शाश्वत ने द्वितीय स्थान तथा अनाया और लियान्श ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कैलिग्राफी प्रतियोगिता में हरिगुण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की मुख्याध्यापिका डॉ. प्रीति चौधरी तथा प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके सुंदर कार्य की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को निखारने का उत्तम माध्यम होती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

जय मां गायत्री यज्ञशाला में किया हवन

रोहतक। रुपया चौक जय मां गायत्री यज्ञशाला झज्जर बाईपास में गायत्री गायत्री परिवार व भगवान परशुराम सेवा संघ द्वारा हवन का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के गणमान्य व्यक्ति एवं आसपास के लोगों ने पहुंचकर जनकल्याण हेतु औषधि युक्त सामग्री से आहुतियां डाली। प्रधान बीएस कौशिक ने कहा हवन के माध्यम से समस्त जीवों का कल्याण होता है। महामृत्युंजय गायत्री मंत्र एवं भगवान परशुराम मंत्र द्वारा हवन यज्ञ किया गया। हवन के माध्यम से संदेश दिया गया कि गरीबों की सहायता करें और पढ़ाई करें। गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा हर महीने में रविवार को हवन का आयोजन किया जाता है।ओपी जुनेजा, धर्मपाल शर्मा, जेबी सिंह, सत्यनारायण पाराशर, ताराचंद शर्मा, बसंत कुमार, हंसराज, रजनी, हिमांशु, रमेश, पूर्ण चंद वर्मा, अनिल, दीपशिखा, सुदेश दीक्षित, सतीश जांगड़ा, हरिओम वशिष्ठ और शिवकुमार आदि मौजूद रहे।

महिला ही दुर्गा स्वरूपा और शक्ति का प्रतीक: जैन

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को इनरव्हील क्लब ऑफ रोहतक ब्लूमिंगडेल द्वारा एलपीएस बोसार्ड के सहयोग से ब्लूमिंगथॉन वॉकाथॉन का आयोजन सुभाष चौक पर किया गया। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकाथॉन का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, राजेश जैन (एमडी, एलपीएस बोसार्ड), डॉ. अरुण नरूला, समाज सेवी सुशील बंसल, इंडस स्कूल की चेयरमैन डॉ एकता सिंधु और मेजर सत्यपाल सिंधु ने वॉकाथॉन को फ्लैग ऑफ कर रवाना किया। राजेश जैन ने कहा कि "शिव ही शक्ति हैं और शक्ति ही शिव है। शक्ति के बिना शिव भी अधूरे हैं। महिला ही दुर्गा स्वरूपा और शक्ति का प्रतीक है, जिसके बिना किसी भी सृजन की कल्पना संभव नहीं है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईंस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाण-पत्रों के साथ आकर मिलें।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
Neuro Surgery
General Medicine
General Surgery
Orthopedics
ब्रेन, रीढ़ की हडिड्यों का ईलाज
दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
हरियाणा सरकार
आयुष्मान भारत
ESIC के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HOU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

राज्यसभा चुनाव | कांग्रेस प्रत्याशी हारे तो ठिकरा भूपेंद्र हुड्डा के सिर पर फूटना तय

हुड्डा के राजनीतिक करियर को प्रभावित करेगा कांग्रेस के रास प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध का चुनाव

राज कुमार नरवाल ▶▶ महम

- निर्दलीय प्रत्याशी नांदल जीते तो हुड्डा को अपने हलके गढ़ी सांपला किलोई में वोट बैंक खिसकने का खतरा
- बौद्ध के लिए जोर लगाना हुड्डा की राजनैतिक मजबूरी, ऐसा नहीं किया तो भारी पड़ सकती है हाईकमान की नाराजगी

हरियाणा में 16 मार्च को प्रदेश की दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव है। करनाल से पूर्व सांसद संजय भाटिया भाजपा के उम्मीदवार हैं। उनकी जीत तय मानी जा रही है। दूसरी सीट के लिए कांग्रेस हाईकमान ने भैणी महाराजपुर गांव में पैदा हुए और हाल अंबाला के निवासी कर्मवीर बौद्ध को अपना प्रत्याशी बनाया है। कर्मवीर बौद्ध को पटखनी देने के लिए भाजपा ने अपनी ही पार्टी के सतीश नांदल को निर्दलीय प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। निर्दलीय प्रत्याशी के मैदान में आने के बाद यह चुनाव काफी रोचक हो गया है। हालांकि कांग्रेस के पास जीत का पर्याप्त आंकड़ा है। जीत के लिए 31 वोट की जरूरत है, जबकि कांग्रेस के पास 37 वोट हैं। भाजपा इन 37 विधायकों में सेंध लगाने की फिराक में है। हालांकि कांग्रेस नेताओं द्वारा अपने प्रत्याशी की जीत का दावा किया जा रहा है। राज्यसभा चुनाव को लेकर जिस तरह के समीकरण बन रहे हैं, उनको देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि यह चुनाव राज्यसभा का चुनाव ही नहीं है, बल्कि यह चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के राजनीतिक कैरियर को भी प्रभावित करने वाला चुनाव है। इस चुनाव से भूपेंद्र सिंह हुड्डा की राजनैतिक दशा और दिशा तय होने वाली है। यदि कांग्रेस प्रत्याशी किसी वजह से चुनाव हार जाते हैं, तो हार का ठिकरा भूपेंद्र सिंह हुड्डा के सिर पर फूटना तय है। हार के पीछे कारण जो भी रहें, लेकिन जिम्मेवार उन्हें ही ठहराया जाएगा। उन्हें कांग्रेस हाईकमान की भारी नाराजगी झेलनी पड़ेगी।

बौद्ध हारे तो महम की सीट पर पड़ेगा सीधा असर

यदि निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल राज्यसभा सांसद बन जाते हैं तो, जाहिर है कि उनके पास राजनैतिक ताकत आ जाएगी। इस ताकत का इस्तेमाल वे अपने हलके गढ़ी सांपला किलाई में करेंगे। भूपेंद्र सिंह हुड्डा का भी अपना हलका गढ़ी सांपला किलोई है। वहां की जनता काम काज के लिए राज्यसभा सांसद के पास जाएगी। इससे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अपना वोट बैंक खिसकने का भी खतरा है। ऐसे में नहीं लगता कि हुड्डा ऐसा कोई रिस्क लेना चाहेंगे। महम हलके से संबंध रखने वाले कर्मवीर बौद्ध यदि हार जाते हैं तो इसका सीधा असर महम की सीट पर भी पड़ेगा। अगली बार महम सीट से कांग्रेस प्रत्याशी को जिता पाना हुड्डा के लिए मुश्किल हो जाएगा। पूर्व में हुए राज्यसभा चुनावों में कई बार भूपेंद्र सिंह हुड्डा की फजीहत हो चुकी है। उन पर दूसरी पार्टी से सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं। बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा की गलत नीतियों को जिम्मेवार ठहराया जा रहा है। जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई आगजनी में भी हुड्डा की किरकिरी हो चुकी है। इस चुनाव में गलती किसी भी विधायक ने कि तो उसकी आंच पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर ही आएगी। सारा दोष उन्हीं पर मंढा जाएगा। जिस तरह के समीकरण बन रहे हैं, उससे नहीं लगता कि वे अपनी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए जोर नहीं लगाएंगे। यदि यह प्रत्याशी हार जाता है तो उनका राजनैतिक कैरियर तबाह हो जाएगा। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस हाईकमान ने बिना हुड्डा से सलाह मशविरा किए ही कर्मवीर बौद्ध को चुनाव मैदान में उतार दिया है। इस बात को लेकर वे कांग्रेस हाईकमान से नाराज हैं। हालांकि यह तो समय ही बताएगा कि कांग्रेस प्रत्याशी जीतेंगे या निर्दलीय प्रत्याशी। लेकिन इस चुनाव की हार जीत का पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह के राजनीतिक कैरियर पर पड़ेगा।

शिविर में किया 30 महिलाओं ने रक्तदान

रोहतक। अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग तथा हम और आप सोशल वेलफेयर समिति एवं उत्तर रेलवे रोहतक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस में 30 महिलाओं ने रक्तदान। इसका उद्घाटन जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने किया। हुड्डा ने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी के जीवन में आशा की किरण बनकर अनमोल जिंदगियां बचा सकता है। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल जरूरतमंदों को नया जीवन देता है, बल्कि रक्तदान करने वाले व्यक्ति के लिए भी लाभकारी है। इससे हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है और शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया तेज होती है।

स्वयं सहायता समूह से जुड़कर महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जुडकर महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। गांव लाखनमाजरा की आशा की सफलता इसकी प्रेरणादायक मिसाल है।

खबर संक्षेप

अर्पित ने पास किए सीए इंटरमीडिएट के दोनों ग्रुप

रोहतक। कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने पर सफलता जरूर मिलती है। इसका उदाहरण अर्पित गिरधर ने पेश किया है। उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों ग्रुप पहले ही प्रयास में पास कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और परिचितों में खुशी का माहौल है। अर्पित गिरधर ने बताया कि उन्होंने शुरू से ही पढ़ाई को गंभीरता से लिया और नियमित रूप से पढ़ाई करने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि सीए की पढ़ाई काफी चुनौतीपूर्ण होती है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और लगातार अभ्यास से इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और बड़े भाई को दिया, जिन्होंने हर कदम पर उनका मार्गदर्शन और हौसला बढ़ाया।

मेडिकल सर्विस सेंटर ने लगाया जांच शिविर

रोहतक। मेडिकल सर्विस सेंटर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तथा महान चिकित्सक डॉ. नॉर्मन बेथ्यून की स्मृति में रोहतक स्थित हुड्डा सिटी पार्क में निःशुल्क मधुमेह (डायबिटीज) एवं उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) जांच व जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान एमएससी की सेवा परंपरा और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं और आमजन के स्वास्थ्य के प्रति सजगता पर जोर दिया गया। इस दौरान आमजन को जीवनशैली से जुड़ी इन बीमारियों के कारण, लक्षण, संभावित जटिलताओं तथा रोकथाम के उपायों की जानकारी दी गई।

समाज की प्रगति व विकास का आधार महिलाएं

रोहतक। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को उपायुक्त सचिन गुप्ता ने महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं समाज की प्रगति और विकास की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण के बिना किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति संभव नहीं है। आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, विज्ञान, खेल और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं।

सरकार के साथ 10 मार्च को एलसीएलओ कर्मियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। हरियाणा में एलसीएलओ (लोकल कमेटी लोकल ऑपरेटर) कर्मचारियों और सरकार के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। रविवार को रोहतक, झज्जर, भिवानी और सोनीपत के कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल ने चौथी बार नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मुलाकात की। इस दौरान हुड्डा ने मौके पर ही एसीएस साकेत कुमार से फोन पर बात की, जिसके बाद सरकार ने 10 मार्च को यूनियन को मीटिंग के लिए बुलाया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि ये कर्मचारी पिछले साढ़े पांच महीनों से कुरुक्षेत्र में धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार का रवैया नकारात्मक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा विधानसभा के बजट सत्र में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगे। वहीं कलानौर की विधायक शकुंतला खटक ने भी सरकार पर युवाओं के शोषण का आरोप लगाते हुए सदन में इस आवाज को बुलंद करने की बात कही।यूनियन के राज्य कार्यकारिणी सदस्य रोहित धानिया ने बताया कि विज्ञापन क्रीड पंचायत लोकल ऑपरेटर के पद के लिए निकाला गया था, लेकिन चयन के बाद करीब 3500 युवाओं को 'एलसीएलओ' का नियुक्ति पत्र थमा दिया गया। वेतन और काम का अभावः एलसीएलओकर्मचारियों को पिछले 18 महीनों से न तो कोई काम दिया गया है और न ही वेतन। उन्होंने कहा 23 मार्च पूरे हरियाणा के कर्मचारी कुरुक्षेत्र के पीपली में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

हौसलों की उड़ान : अवनीश ने गंभीर चोटों को मात दे जूडो व कुराश में गाड़े सफलता के झंडे

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

हरियाणा की माटी हमेशा से ही जांबाज खिलाड़ियों की खान रही है। इसी कड़ी में रोहतक के बोहर गांव के एक उभरते सितारे अवनीश ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले उन्मेश ने तमाम चुनौतियों और गंभीर चोटों के बावजूद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। अवनीश ने खेल की दुनिया में अपना पहला कदम साल 2009 में रखा था। उनकी इस यात्रा के पीछे उनके दादाजी का हाथ रहा है, जो खुद एक पहलवान थे। इसके साथ ही, गांव के ही भीम अवार्ड विजेता (2010) दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र भोला से प्रभावित होकर अवनीश ने जूडो स्पोर्ट्स को अपना करियर चुना।

चोटों ने रोका रास्ता, पर कम नहीं हुआ जज्बा

एक एथलीट के जीवन में चोटें सबसे बड़ी बाधा होती हैं। अवनीश के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। साल 2018 में एक इंटरनेशनल टूर्नामेंट (कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप) से ठीक पहले उन्हें कंधे और कोहनी में गंभीर चोट लगी थी। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और चोट के बावजूद मुकाबले में उतरे। टूर्नामेंट के बाद उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी, जिसके कारण वे लगभग दो साल तक खेल के मैदान से दूर रहे। अवनीश एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता भगत सिंह खेती करते हैं और माता बिमला देवी गृहणी हैं। अवनीश अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, कोच अजय को देते हैं जिन्होंने कठिन समय में उनका साथ दिया।

ये रहीं उपलब्धियां

2016 जूनियर कुराश नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2018 कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप जूडो में रजत पदक जीता। 2020 जूनियर कुराश नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2020 खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स जूडो में कांस्य पदक पदक जीता।2020: ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप जूडो में कांस्य पदक जीता। 2025-26 सब जूनियर नेशनल जूडो प्रतियोगिता में रेफरी भी रहा हूं। 2025-26 जूनियर नेशनल जूडो प्रतियोगिता में रेफरी भी रहा हूं। मार्च में आयोजित कॉमनवेल्थ व एशियन गेम्स की ट्रायल में भी रेफरी रहा हूं।

दस साल से हर वार्ड में शेड बनाने की मांग कर रहे सफाई कर्मचारी

जिनके कंधों पर सफाई का जिम्मा उन्हें ही नहीं मिल पा रहीं सुविधाएं

- *22 वार्डों में महिला और पुरुष कर्मचारी करते हैं सफाई*
- *प्रधान ने कई बार आयुक्त सहित सरकार को ज्ञापन भेजे*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर को स्वच्छ और साफ रखने की जिम्मेदारी निभाने वाले सफाई कर्मचारियों को ही बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। नगर निगम के सफाई कर्मचारी पिछले करीब दस वर्षों से शहर के प्रत्येक वार्ड में उनके लिए शेड बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी यह मांग पूरी नहीं हो पाई है। कर्मचारियों का कहना है कि शेड बनने से उन्हें धूप, बारिश और सर्दी के मौसम में थोड़ी राहत मिल सकेगी, लेकिन उनकी समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

नगर निगम के 22 वार्डों में महिला और पुरुष सफाई कर्मचारी रोजाना शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सुबह से ही सड़कों, गलियों और बाजारों में सफाई करते हैं। ग्रामीण एरिया से शहर में डयूटी करने आने वाले सफाई कर्मचारियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सफाई के दौरान उन्हें लंबे समय तक खुले में रहना पड़ता है। बारिश, तेज धूप और ठंड के मौसम में भी उन्हें बिना किसी शेड या आराम की जगह के ही काम करना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कहां रखें सामान

सफाई कर्मचारियों का कहना है कि अगर हर वार्ड में एक छोटा सा शेड बना दिया जाए तो वे वहां पर सफाई के उपकरण रख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर थोड़ी देर आराम भी कर सकेंगे। इसके अलावा बारिश के समय में भी उन्हें राहत मिलेगी। कर्मचारियों के अनुसार कई बार उनके उपकरण भी खुले में पड़े रहते हैं, जिससे उनके खराब होने का खतरा बना रहता है।

हाउस की मीटिंग में उठ चुका मामला

सफाई कर्मचारियों के संगठन ने इस समस्या को लेकर कई बार नगर निगम प्रशासन और सरकार के सामने आवाज उठाई है। सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने कई बार नगर निगम आयुक्त और सरकार को ज्ञापन भेजकर हर वार्ड में शेड बनाने की मांग की है, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। यह मुद्दा नगर निगम हाउस की बैठकों में भी कई बार उठाया जा चुका है। पार्षदों ने भी कर्मचारियों की इस मांग को जायज बताते हुए हर वार्ड में शेड बनाने की जरूरत बताई है, लेकिन बावजूद इसके अब तक यह मांग केवल कागजों तक ही सीमित बनी हुई है।

नगर परिषद के 11 कर्मचारी दरोगा के पद पर पदोन्नत

रोहतक। नगर परिषद में कार्यरत 11 सफाई कर्मचारियों को दरोगा पद पर पदोन्नत किया गया है। जिससे उनमें खुशी की लहर है। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा रोहतक इकाई के प्रधान शंभू ने बताया कि शंकर, रामराज, शिंभु, रमेश, अनूप, नरेंद्र, अजीत, सुशील, श्रवण, संजीव, गुलशन आदि को दरोगा के पद पर पदोन्नति मिली है।उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत सन 2024 में पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार गोयर की गई थी। जब उन्होंने 35 सफाई कर्मचारियों को पदोन्नति कर सफाई दरोगा के रिक्त पदों पर नियुक्त करवाया था। इस खुशी के अवसर पर नगर निगम रोहतक के प्रांगण में एक सम्मान समारोह मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान शंभू टांक ने की। नवनियुक्त दरोगा को पदोन्नति पत्र प्रदान किए गए। मुख्य तौर पर इकाई रोहतक के सचिव राकेश चावरिया, इकाई रोहतक के कोषाध्यक्ष राजपाल टॉक, जिला रोहतक के कोषाध्यक्ष रवि चढ़ा इकाई रोहतक के प्रेस सचिव रविराज, सहायक दरोगा सुरेंद्र मौजूद रहे।

इतने कर्मचारी तैनात

नगर निगम में इस समय करीब 440 अनुबंधित सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, जबकि लगभग 250 नियमित कर्मचारी हैं। इन सभी कर्मचारियों के जिम्मे शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी है। कर्मचारी रोजाना मेहनत कर शहर को स्वच्छ रखने का काम करते हैं, लेकिन उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं।

हाउस में कई बार उठ चुका है मुद्दा

सफाई कर्मचारी पिछले दस साल से हर वार्ड में शेड बनाने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए कई बार नगर निगम आयुक्त और सरकार को ज्ञापन भी भेजे जा चुके हैं। नगर निगम हाउस की बैठकों में भी यह मुद्दा कई बार उठ चुका है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों को बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए, ताकि वे बेहतर तरीके से अपना काम कर सकें।
-शंभू टांक, प्रधान रोहतक ईकाई,नगर पालिका कर्मचारी संघ।

मंजू हुड्डा ने लोकोमोटिव इंजन कंट्रोल ऑफिस का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने रेलवे स्टेशन स्थित उत्तर भारत लोकोमोटिव इंजन कंट्रोल कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम में कार्यरत महिला कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके कार्यों की सराहना की।

दौरे के दौरान मंजू हुड्डा ने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और वहां तैनात अधिकारियों से ट्रेनों के संचालन, निगरानी व्यवस्था तथा तकनीकी प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रेलवे जैसे महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरे विभाग में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, सुरक्षा, विज्ञान और तकनीक सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर नई पहचान बना रही हैं। रेलवे के कंट्रोल रूम में तैनात महिला कर्मचारी भी पूरी जिम्मेदारी और दक्षता के साथ अपनी ड्यूटी निभा रही हैं, जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

महिला कर्मचारियों का बढ़ाया उत्साह

मंजू हुड्डा ने महिला कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब महिलाओं को समान अवसर और सम्मान मिलता है, तो समाज और राष्ट्र दोनों को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से हर क्षेत्र में बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं और भविष्य में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। इस अवसर पर उन्होंने कंट्रोल रूम में कार्यरत महिला कर्मचारियों के समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। साथ ही उन्हें निरंतर मेहनत और लगन के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। दौरे के दौरान कर्मचारियों ने भी चेयरपर्सन का स्वागत किया और उन्हें कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर यह दौरा महिला कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और उन्होंने भी अपने अनुभव साझा किए।

मातृशक्ति उद्यमिता योजना में मिलता है 5 लाख तक का कर्ज

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। हरियाणा महिला विकास निगम, रोहतक द्वारा गत वर्ष 2024-25 में 73,557 रुपये की सब्सिडी महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। गुप्ता ने बताया कि यह योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से संचालित की जा रही है। योजना के तहत जिला के लिए वर्ष 2025-26 में 48 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है और जो हरियाणा की स्थायी निवासी हैं, वे इस योजना का लाभ ले सकती हैं।

शिविर में 49 यूनिट रक्त एकत्रित

रोहतक। विश्व महिला दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद सेक्टर शाखा द्वारा लाखनमाजरा में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 49 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर पीजीआईएमएस के कुशल डॉक्टरों की टीम ने रक्त संग्रहण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में परिषद के पूर्व अध्यक्ष व रक्तदान शिविर संयोजक गुलशन उप्पल व शाखा के सक्रिय सदस्य पवन भारद्वाज का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस अवसर पर समाजसेवी नवीन कुमार धतरवाल ने 57वीं बार रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया, वहीं कविता और बबीता ने तीसरी-तीसरी बार रक्तदान कर महिला शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस मौके पर शाखा के अध्यक्ष रमेश अहलावत ने कहा कि विश्व महिला दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि हम समाज में महिलाओं के सम्मान और उनके योगदान को पहचानें। रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए काई रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

बखेता में युवाओं में बढ़ती मोबाइल की लत पर चर्चा

रोहतक। दादी पिलासन युवा शक्ति संगठन की ओर से रविवार को गांव बखेता में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसमें पर्यावरण संरक्षण और देश में युवाओं में बढ़ती मोबाइल की लत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जागरूक करना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े ललित (सह जिला कार्यवाह) और नवीन (मुख्य प्रचारक) ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए और युवाओं को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से दूर रहकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में दादी पिलासन युवा शक्ति संगठन के पूर्व अध्यक्ष सचिन बखेता, सह-सचिव रामचंद्र बखेता, पर्यावरण प्रेमी रामफल बखेता और लक्ष्मीनारायण बखेता भी मौजूद रहे। इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी से रमेश बखेता तथा गृह मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे नीरज कुमार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

महिलाओं ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को स्थानीय मानसरोवर पार्क में विभिन्न जन संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने अपने हक के लिए एकजुटता प्रदर्शित करते हुए शहर में विशाल मार्च निकाला और उपायुक्त सचिन गुप्ता को मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र सौंपा। मुख्य वक्ता डॉ. मनजीत राठी (राष्ट्रीय कमेटी सदस्य, जनवादी महिला समिति) ने कहा कि महिलाओं को आज जो भी अधिकार प्राप्त हैं, वे लंबे आंदोलनों और बलिदानों का परिणाम हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और निजीकरण के कारण महिलाओं की आजीविका पर हमले तेज हो रहे हैं। डॉ. राठी ने पुरानी रूढ़िवादी परंपराओं को थोपने की कोशिशों के खिलाफ महिलाओं को जागरूक रहने की अपील की। जिला कोषाध्यक्ष राजकुमारी दहिया ने महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ती यौन हिंसा के आंकड़ों पर गहरा रोष प्रकट किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है, जिससे असुरक्षा का माहौल बना है।

महिलाओं को दी अधिकारों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में रविवार को अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला आश्रम में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. तरुण खान ने प्राधिकरण के पैनल पर कार्यरत महिला अधिवक्ताओं तथा कार्यालय में उपस्थित महिलाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। उन्होंने समाज में महिलाओं द्वारा दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए सभी महिलाओं को सशक्त बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ. तरन्नुम खान ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रोहतक द्वारा पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाती है।

यदि किसी महिला या अन्य व्यक्ति को अपने लंबित मुकदमे के लिए अधिवक्ता की आवश्यकता है, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में प्रोटेक्शन ऑफिसर कर्मेंद्र कौर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता किरण देवी तथा अधिकार मित्र साहिल उपस्थित रहे। पैनल अधिवक्ता किरण देवी ने उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी और उन्हें उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

नाराजगी | किसान बोले, अधिकारियों के यहां अनुरोध करके थक गए

फसलों के बकाया मुआवजे की मांग को लेकर 10 मार्च को डीसी कार्यालय पर गरजेंगे किसान

प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को हुआ था भारी नुकसान

- फसल बीमा कंपनी भी कर रही है आनाकानी, किसानों की प्रीमियम राशि जमा करवा दी खातों में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

विभिन्न फसलों के बकाया मुआवजे को लेकर किसानों में रोष बढ़ता जा रहा है। लंबे समय से मुआवजे की राशि जारी न होने से नाराज किसान अब आंदोलन के मूड में हैं। किसान संगठनों ने ऐलान किया है कि अगर नौ मार्च सोमवार तक मुआवजा नहीं दिया गया तो 10 मार्च को डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों का कहना है कि पिछले समय में खराब मौसम, ओलावृष्टि और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण उनकी फसलों को भारी नुकसान हुआ था। जिन किसानों ने अपनी फसल बीमित करा रखी थी, उन्हें भी तरह-तरह की अड़चने लगाकर आज तक क्लेम नहीं दिया।

महम, मोखरा, बलंबा, सैमाण, बेडवा, फरमाना, भैणी भैरों, सीसर खास, जिन्दरान, कटेसरा, गुढ़ाण, निगाना, बलम, बनियानी, ककराना, कलानौर , मढ़ोधी अटाल, पाकस्मा, समचाना, मोरखेड़ी, नौनंद, खरावड़, चुलियाना, कुलताना, मदीना समेत दूसरे और कई गांवों के किसान मुआवजे की मांग को लेकर लगातार प्रशासन से अनुरोध कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि खरीफ 2025 की धान,बाजरे,कपास का करोड़ों रुपए का मुआवजा सरकार ने नाजायज तरीके के काट दिया। इतना ही नहीं रबी 2025 का बीमा क्लेम भी बकाया है। रबी 2022 में किलोई,रिठाल,पाकस्मा, ककराना, गुढाण गांव का मुआवजा शेष है। इसी प्रकार रबी 2023 का 19000 एकड़ का जिले का ओलावृष्टि का मुआवजा बकाया है। गेहूं की आगजनी का पिछले 2 साल से एक भी पैसा नहीं दिया।

मुआवजा न मिलने पर दी चेतावनी

किसान सभा के प्रदेश महा सचिव सुमित दलाल ने बताया कि प्रशासन द्वारा नुकसान का सर्वे भी कराया गया था और सरकार ने प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की घोषणा भी की थी। लेकिन कई महीनों बीत जाने के बाद भी बड़ी संख्या में किसानों के खातों में मुआवजे की राशि नही पहुंची है। इनका कहना है कि फसल खराब होने के बाद पहले ही उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, ऊपर से मुआवजे में देरी होने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। कई किसानों को खेती के लिए उधार लेना पड़ा है और अब वे कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। किसान नेता सुमित दलाल ने कहा कि 10 मार्च के विरोध प्रदर्शन के बाद भी प्रशासन ने जल्द मुआजवा नहीं दिया तो फिर नियमित धरना डीसी कार्यालय पर शुरू किया जा सकता है।